वर्ष 2009-10 के दौरान किए गए हिंदी कार्यों/गतिविधियों की एक झलक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की ने भारत सरकार की राजभाषा नीति का समुचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के साथ-साथ रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में बढ़ोत्तरी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 2009-10 के दौरान राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2009-10 के वार्षिक कार्यक्रम में यथानिर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हिंदी की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की। संस्थान ने राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों तथा जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में राजभाषा नीति के विभिन्न प्रावधानों के कार्यान्वयान हेतु अपना वार्षिक कार्यक्रम तैयार किया। इसके तहत संस्थान ने केंद्रीय तथा राज्य सरकार के कार्यालयों के साथ अधिकांश पत्राचार हिंदी में किया । संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है इसलिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की को राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया है । संस्थान भारत सरकार की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरन्तर प्रयास करता आ रहा है ।

संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है । सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो, इसके लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं । इसके तहत अधिकारियों के लिए 'सर्वाधिक हिंदी डिक्टेशन देने संबंधी प्रोत्साहन योजना' तथा कर्मचारियों के लिए 'सर्वाधिक हिंदी कार्य करने संबंधी प्रोत्साहन योजना' लागू की गई हैं ।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित ढंग से अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है । संस्थान परिसर में लगे सभी नोटिस बोर्ड, नाम-पट्ट तथा साइन बोर्ड द्विभाषी रूप में बनवाए गए हैं । रबड़ की मोहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फार्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं और इन्हें प्रयोग में लाया जा रहा हैं ।

इसके अलावा संस्थान द्वारा वर्ष 2009-10 के दौरान आयोजित की गई विभिन्न हिंदी गतिविधियों का तिथिवार क्रम में विवरण निम्नवत् है :-

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक **29 जुलाई, 2009** को आई.आई.टी. रूड़की में आयोजित 8वीं अर्धवार्षिक बैठक में संस्थान की ओर से **श्री ए.पी.चमोली**, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, **डॉ. रमा मेहता**, वैज्ञानिक-सी एवं राजभाषा प्रभारी, **श्री पी.के.उनियाल**, वरिष्ठ अनुवादक, **श्री पवन कुमार**, आशुलिपिक तथा **श्री दौलत राम**, आशुलिपिक ने प्रतिभाग किया तथा संस्थान में हो रहे हिंदी कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की ।
- **दिनांक 27 अगस्त, 2009** को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 48वीं बैठक आयोजित की गई जिसमें राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा के साथ-साथ राजभाषा हिंदी के

प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग के संदर्भ में कार्यनीति तैयार की गई तथा आगामी तिमाही के लिए हिंदी कार्यों के लक्ष्य निर्धारित किए गए ।

- संस्थान में दिनांक **14 सितम्बर, 2009** को हिंदी दिवस तथा इसी दिन से शुरू करके हिंदी सप्ताह आयोजित किया गया। इस दौरान हिंदी की निबन्ध, काव्य-पाठ, लिखित प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, हिंदी टाइपिंग, हिदी आशुलिपिक तथा क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को नकद पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । हिंदी सप्ताह का उदघाटन दिनांक 14 सितम्बर, 2009 को किया गया । इस समारोह के मुख्य अतिथि **प्रो. स्वतंत्र कुमार**, कुलपति गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार थे । हिंदी सप्ताह का समापन समारोह 18 सितम्बर, 2009 को सम्पन्न हुआ । इस समारोह की मुख्य अतिथि **डॉ. सुधा रानी पाण्डेय**, कुलपति उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार थी । इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका 'प्रवाहिनी' के 16वें अंक का विमोचन भी किया गया । मुख्य अतिथि ने हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ में विजयी रहे पदाधिकारियों को पुरस्कार भी प्रदान किए ।
- संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'प्रवाहिनी' के **16वें अंक** का **सितम्बर माह** में प्रकाशन किया गया जिसमें संस्थान के ही नहीं अपितु संस्थानेतर व्यक्तियों के लेखों को भी प्रकाशित किया गया। सात उत्कृष्ट लेखों को पुरस्कृत भी किया गया ।
- आई.आई.टी. रूड़की में **23-24 सितम्बर, 2009** को 'कम्प्यूटर और हिंदी' विषय पर आयोजित कार्यशाला में संस्थान के 20 पदाधिकारियो ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- ग्रामीण महिलाओं को जल एंव जल संरक्षण विषय पर जानकारी देने के लिए दिनांक **06 नवम्बर, 2009** को प्राथमिक विद्यालय शफीपुर (सुभाष नगर, रूड़की) में एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें ग्रामीण महिलाओं को जल संरक्षण संबंधी अनेकों जानकारियाँ दी गई तथा महिलाओं द्वारा अपने घरों से लाए गए जल की गुणवत्ता का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक सुझाव भी दिए गए । इस कार्यशाला की सम्पूर्ण कार्यवाही हिंदी में आयोजित की गई ।
- संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट (2008-2009) के अंग्रेजी पाठ का हिंदी रूपान्तरण कर इसे निर्धारित समयावधि के अन्दर हिंदी में भी प्रकाशित किया गया ।
- ओ.एन.जी.सी. देहरादून में दिनांक **08 जनवरी, 2010** को आयोजित राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली तथा उत्तर भारत) में संस्थान की ओर से **श्री ए.पी.चमोली**, वरि.प्रशा.अधिकारी, **डॉ. रमा मेहता** वैज्ञानिक-सी एवं राजभाषा प्रभारी तथा **श्री दौलत राम**, आशुलिपिक ने प्रतिभाग किया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक 22 जनवरी, 2010 को बी.एच.ई.एल. हरिद्वार में आयोजित 9वीं अर्धवार्षिक बैठक में श्री **पी.के.उनियाल.** वरिष्ठ अनुवादक तथा **श्री पवन कुमार**, आशुलिपिक ने प्रतिभाग किया ।
- जल संसाधन मंत्रालय के आई.ई.सी. योजना के अंतर्गत स्कूली बच्चों के लिए जल एवं जल संरक्षण विषय पर दिनांक 08 फरवरी, 2010 को एक लघु नाटिका आयोजित की गई । इसमें रूड़की व इसके आस-पास के स्कूलों के कई बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया । बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया ।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक **18 फरवरी, 2010** बी.एच.ई.एल. हरिद्वार में आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ताओं की बैठक में संस्थान की ओर से **डॉ. रमा मेहता**, वैज्ञानिक-सी एवं राजभाषा प्रभारी, **श्री पी.के.उनियाल**, वरिष्ठ अनुवादक तथा **श्री पवन कुमार**, आशुलिपिक ने प्रतिभाग किया ।
- संस्थान में दिनांक **12 मार्च, 2010** को 'राजभाषा नीति तथा हिंदी सॉफ्टवेयर-यूनीकोड' पर एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । इस कार्यशाला के लिए नराकास हरिद्वार ने फैकल्टी उपलब्ध कराई । संकाय सदस्य के रूप में बी.एच.ई.एल. हरिद्वार से श्री **श्रीनिवास जोशी** तथा **श्री नरेश काम्बोज** ने कार्यशाला में व्याख्यान एवं प्रशिक्षण दिया । कार्यशाला में 44 पदाधिकारियों ने भाग लिया ।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 49वीं बैठक दिनांक **30 मार्च, 2010** को आयोजित की गई । इस बैठक में पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई, विगत तिमाही की हिंदी प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा तथा राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में किए जाने वाले विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया गया और आगामी तिमाही के लिए लक्ष्य भी निर्धारित किए गए।

* * * * *